

# Поздно мы любим

Ноты с сайта [www.notarhiv.ru](http://www.notarhiv.ru)

В. ГАЗАРЯН

Слова О. ШАМХАЛОВА

Перевод с аварского Н. Горохова

Умеренно

Fm

<sup>\*) mf</sup>

бы.. ло.. на тра.. вах рос.. но.. и..

нар

mf

м

м

м

Bm

E<sub>b</sub>,

A<sub>b</sub>maj,

Fm

D<sub>b</sub>maj,

мне

та.. я.. ла в не.. бе.. звезд.. да...

«Позд.. но.. мы.. лю.. бим, позд.. но..», —

M

б

M

б

Bm<sub>6</sub>

G<sub>7</sub>/<sub>5</sub>

C<sub>7</sub>sus

C<sub>7</sub>

Fm

мать го.. во.. ри.. ла всег.. да.

В жиз.. ни.. не так.. всё прос.. то.

Ма..

M

7

M

M

F

A<sub>m</sub><sub>7</sub>

D<sub>7</sub>

Gm

ни.. ли ме.. ня го.. ро.. да...

«Позд.. но.. мы.. лю.. бим, позд.. но..», —

кри..

Б

М

7

M

M

<sup>\*)</sup> В последнем куплете пение начинается в 9-ом такте со слов «Осень стучится грозно...»

A<sub>7</sub>

Dm

-ча\_ ли в но\_ чи по\_ ез\_ да.

«Позд\_ но мы лю\_ бим,

М

7

W

позд\_ но »,-

Am

Gm

кри\_ ча\_

ли в но\_ чи

по\_ ез\_

Б

Б

М

М

Г Для повторения

Г Для окончания

Dm

-да.

-да.

Позд\_

но мы

7

7

7

М

лю\_

бим, позд\_ но!

Am

И в э\_

том вся

М

Б

Б

М

Gm

A<sub>7</sub>

Dm

на - ша бе - да.

M

7

M

p

pp

Было на травах росно  
 И таяла в небе звезда...  
 «Поздно мы любим, поздно», —  
 Мне мать говорила всегда.

В жизни не так всё просто.  
 Манили меня города...  
 «Поздно мы любим, поздно», —  
 Кричали в ночи поезда.

«После — шептал я, — после!»  
 А время бежит как вода...  
 «Поздно мы любим, поздно», —  
 Ты грустно сказала тогда.

В мире большом и звездном  
 Ужель я уйду без следа?  
 «Поздно мы любим, поздно», —  
 В ответ лишь гудят провода.

Осень стучится грозно.  
 И поздняя зябнет звезда.  
 Поздно мы любим, поздно! —  
 И в этом вся наша беда.